भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3243

दिनांक 12 मार्च, 2026 को उत्तरार्थ

.....

नदी जल का प्रवाह मोड़ना

3243. श्री भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या महाराष्ट्र के शिरडी लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में गोदावरी बेसिन में गोदावरी, मुला, प्रवरा, म्हालुंगी और अडाला जैसी प्रमुख नदियां शामिल हैं जो सह्याद्री पर्वत शृंखलाओं से निकलती हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार ने इस क्षेत्र के गोदावरी बेसिन के सह्याद्री पर्वत शृंखला से होकर पश्चिम की ओर बहने वाले नदी जल को केन्द्रीय स्तर पर पूर्व की ओर मोड़ने के लिए एक व्यापक कार्य योजना तैयार की है और इसे शीघ्रता से करने के लिए कोई कदम उठाए हैं/उठाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री
(श्री राज भूषण चौधरी)

(क): जी हाँ, महाराष्ट्र के शिरडी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में गोदावरी बेसिन में कई महत्वपूर्ण नदियाँ बहती हैं, जिनका उद्‌गम स्रोत सह्याद्रि (पश्चिमी घाट) पर्वत श्रृंखलाएं हैं। इनमें गोदावरी, मूला, प्रवरा, म्हालुंगी और अढ़ला नदियाँ शामिल हैं। ये नदियाँ गोदावरी प्रणाली के ऊपरी कैचमेंट क्षेत्र का हिस्सा हैं और इस क्षेत्र में बेसिन के जल विज्ञान क्षेत्र में इनका महत्वपूर्ण योगदान है।

(ख): भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) तैयार की गई है, जिसके तहत देश में जल की कमी को दूर करने और सिंचाई सुविधाओं को बढ़ाने के लिए नदियों को आपस में जोड़ने वाली (आईएलआर) 30 परियोजनाओं की पहचान की गई है। राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (एनडब्ल्यूडीए) को एनपीपी के तहत आईएलआर परियोजनाओं के कार्यान्वयन का दायित्व सौंपा गया है। एनडब्ल्यूडीए द्वारा राष्ट्रीय जल संतुलन अध्ययन के एक भाग के रूप में पश्चिमी घाट क्षेत्र में विभिन्न अंतर-बेसिन जल अंतरण संभावनाओं की जांच की गई है।

इसके अतिरिक्त, महाराष्ट्र सरकार द्वारा 20 अंतःराज्यीय नदियों को आपस में जोड़ने संबंधी प्रस्ताव तकनीकी अध्ययन के लिए एनडब्ल्यूडीए को प्रस्तुत किए गये हैं। एनडब्ल्यूडीए द्वारा इन सभी लिंक प्रस्तावों के लिए व्यवहार्यता-पूर्व रिपोर्ट (पीएफआर) तैयार कर राज्य सरकार को सौंपी गई हैं। इनमें से नॉर्थ कोंकण-गोदावरी घाटी परियोजना, दमणगंगा (एकदरे)-गोदावरी (वाघाड) लिंक और दमणगंगा-वैतरणा-गोदावरी लिंक शिरडी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं ।

तदुपरांत, महाराष्ट्र सरकार के अनुरोध पर, एनडब्ल्यूडीए द्वारा कन्सलटेंसी आधार पर दमणगंगा (एकदरे)-गोदावरी (वाघाड) लिंक और दमणगंगा-वैतरणा-गोदावरी लिंक के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की गई हैं। दोनों डीपीआर पूरी कर ली गई हैं और मार्च, 2025 में महाराष्ट्र सरकार को सौंप दी गई हैं। नॉर्थ कोंकण-गोदावरी घाटी परियोजना की पीएफआर के अनुसार, यह प्रस्ताव, आकलन के पश्चात, अव्यवहार्य पाया गया था।

*****